प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,**
   जनपद शाहजहॉपुर।

2. **मुख्य चिकित्साधिकारी,**
   जनपद शाहजहॉपुर ।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2019–20 / 10356-2 दिनांकः 17.03.2020

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 26–28 फरवरी 2020 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/7999-2, दिनांक 20.12.2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **26–28 फरवरी 2020** तक जनपद **शाहजहॉपुर** की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्रों व हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद एवं ब्लाक की चिकित्सा इकाईयों के स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीय

(विजय विश्वास पन्त)
मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2019–20 तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक काय्रवाही हेतु प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, बरेली मण्डल को इस आशय के साथ प्रेषित कि भ्रमण रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक / अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0 / रीजनल मैनेजर (कम्यू0प्रो0), बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, शाहजहॉपुर को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट /
मण्डलीय नोडल अधिकारी

जनपद स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण

दिनांक : 26–28 फरवरी 2020

जनपद : शाहजहॉपुर,

जनपद **शाहजहॉपुर** की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की संक्षिप्त आख्या निम्नवत् है–

क्र.	चिकित्सा इकाई	अवलोकन बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1	**ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, ऑगनबाडी केन्द्र, प्राथमिक विद्यालय, ग्राम नौशारा, ब्लाक कॉट**	सत्र सम्बन्धी बैनर, सत्र स्थल पर नहीं था, बल्कि संचारी रोग व टीकाकरण आदि के बैनर लगे पाए गए। सत्र में उपस्थित ए0एन0एम0 श्रीमती शिखा देवी के पास बैनर उपलब्ध भी नहीं था। सत्र में आने वाली गर्भवती महिलाओं के पेट की जांच हेतु चटाई उपलब्ध थी। सत्र के अवलोकन के दौरान पाया गया कि – • दवाईंया बिखरी हुई पाई गई, कौन सी दवा खत्म हो गई है और नई शीशी कब खोलनी है, ए0एन0एम0 के पास इसका रिकार्ड नहीं पाया गया। • विटामिन ए – एक चम्मच से ही बिना पोछे बार बार सत्र में आने वाले बच्चों को पिलाया जा रहा था। • वैक्सीन मैनेजमेंट का ए0एन0एम0 को कोई आईडिया नहीं था। • वजन मशीन उपलब्ध नहीं थी। पूछने पर कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • रिकार्ड की स्थिति दयनीय पाई गई। टीकाकरण रजिस्टर अव्यवस्थित व आधा अधूरा भरा पाया गया। • सत्र के दौरान परिवार नियोजन साधन के रूप में कण्डोम का वितरण ही किया जा रहा था। गर्भ निरोधक गोली/छाया की आपूर्ति नहीं हो रही थी। न ही ए0एन0एम0 द्वारा इसकी लिखित डिमांड की गई थी। • यूरिन टेस्ट किट उपलब्ध नहीं थी • ए0एन0एम0 को अपने कार्य को लेकर स्पष्ट नही था कि क्या करना है।	सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि उनको बैनर प्राप्त नहीं हुआ है। राज्य स्तरीय दल द्वारा डी0पी0एम0 को इस बारे में अवगत कराते हुए सत्र सम्बन्धी बैनर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। • सत्र में दवाईयां व्यवस्थित ढंग से रखवाई गई तथा ए0एन0एम0 को दवाईयों उनकी एक्सपायरी तिथि के अनुसार उपयोग में लाने के विषय में बताया गया। • दल द्वारा प्रत्येक बच्चे को विटामिन ए पिलाने के बाद उसको टिश्यू पेपर से पोंछ कर पुनः उपयोग करने का सुझाव दिया गया। • वैक्सीन मैनेजमेंट के बारे में ए0एन0एम0 महोदया को अभिमुखीकृत किया गया। • दल द्वारा ए0एन0एम0 को सत्र के आयोजन से पूर्व समस्त आवश्यक दवाईयां एवं टेस्ट किट हेतु लिखित डिमांड करने का सुझाव दिया गया, जिससे सत्र में आने वाले लाभार्थियों को अपेक्षित सेवाएं प्राप्त हो सके। • सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 को सत्रों का नियमित अनुश्रवण करने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0/ ए0एन0एम0

		सत्र में उपस्थित आशा मुन्नी देवी अपनी निर्धारित ड्रेस में नही थी।	• दल द्वारा आशा को उसकी ड्रेस के महत्व के बारे में बताया गया एवं अगली बार सत्र/चिकित्सा इकाई/क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अपनी ड्रेस में रहने हेतु सुझाव दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में बी0सी0पी0एम0 एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया कि वह समस्त आशाओं को सत्र/चिकित्सा इकाई/क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान अपनी ड्रेस में रहने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।	
		आशा के रजिस्टर के अवलोकन के दौरान पाया गया कि – • रजिस्टर भरा हुआ ही नहीं पाया गया • कार्य के प्रति लापरवाह पूर्ण एटिट्यूड प्रतीत हुआ। • रजिस्टर लगभग पूर्णतया खाली था तथा विशिष्ट परिवार संख्या कॉलम खाली पाए गए। • आशा के पास न तो बैग था एवं न ही प्राप्त दवाईयों तथा परिवार नियोजन की अस्थाई गर्भ निरोध सामग्री कंडोम आदि का कोई रिकार्ड उपलब्ध नहीं था। • गत 06 माह से गांव का भ्रमण भी नहीं किया गया था न इसकी कोई सूचना रजिस्टर में थी। • गॉव में होने वाले बच्चो के जन्म का रिकार्ड एवं आशा ड्यू लिस्ट भी ठीक प्रकार अद्युनांत नहीं की जा रही थी। • आशा संगिनी द्वारा कोई रिकार्ड नियमित चेक नहीं किया जा रहा था और न ही वह सत्र में आती है।	• राज्य स्तरीय दल द्वारा आशा को रजिस्टर व उनके कार्य का महत्व बताते हुए रजिस्टर नियमित रूप से अपडेट करने का कहा गया। • दल द्वारा आशा संगिनी को बुलाने हेतु उपस्थित अधिकारियों के स्तर से कई बार प्रयास किया गया किन्तु वह सत्र में नही आई। • साथ ही उपस्थित बी0सी0पी0एम0 को भी इस बारे में स्वयं निरीक्षण करने एवं आशा संगिनी का स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए इस सम्बन्ध में अभिमुखीकृत करने का सुझाव दिया।	

	ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, ग्राम जमुनिया दौलतपुर, ब्लाक कॉट	सत्र सम्बन्धी बैनर स्थल पर नहीं था, बल्कि टीकाकरण आदि के बैनर लगे पाए गए।	सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 द्वारा अवगत कराया गया कि उनको बैनर प्राप्त नहीं हुआ है। राज्य स्तरीय दल द्वारा इस बारे में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय को अवगत कराया गया है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0/ए0एन0 एम0
		सत्र में आने वाली गर्भवती महिलाओं की जांच हेतु चटाई उपलब्ध थी। सत्र के अवलोकन के दौरान पाया गया कि – • दवाईयों का रिकार्ड ए0एन0एम0 के पास उपलब्ध था।	• सत्र में दवाईयां व्यवस्थित ढंग से रखवाई गई तथा ए0एन0एम0 को दवाईयों उनकी एक्सपायरी तिथि के अनुसार उपयोग में लाने के विषय में बताया गया।	
		• ड्यू लिस्ट व्यवस्थित पूर्ण रूप से अद्युनांत पाई गई।	• दल द्वारा ड्यू लिस्ट का महत्व बताते हुए उसे हमेशा व्यवस्थित एवं अद्युनांत रखने का सुझाव दिया गया।	
		• प्रयोग की गयी सीरिंज आदि ए0एम0एम0 की कुर्सी के नीचे खुले में पड़ी थी।	• ए0एन0एम0 को खुली सिरिंज से होने वाली स्वास्थ्य हानियों के बारे में बताया गया। ए0एन0एम0 को सिरिंज को हब कटर से काटकर पंचर प्रूफ बाक्स में रखने का सुझाव दिया गया।	
		• विटामिन ए – एक ही चम्मच बिना पोछे बार–बार सत्र में आने वाले बच्चों को पिलाया जा रहा था।	• दल द्वारा प्रत्येक बच्चे को विटामिन ए पिलाने के बाद उसको टिश्यू पेपर से पोंछ कर पुनः उपयोग करने का सुझाव दिया गया।	
		• सत्र के दौरान परिवार नियोजन साधन के रूप में कण्डोम एवं गर्भ निरोधक गोली/छाया की आपूर्ति की जा रही थी। • यूरिन टेस्ट किट उपलब्ध थी।	• सम्बन्धित बी0सी0पी0एम0 को सत्रों का नियमित चेक करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		आशा – • आशा अपने निर्धारित ड्रेस में नहीं थी।	• आशा को नियमित रूप से टीकाकरण सत्रों/स्वास्थ्य दिवसों/विभिनन बैठकों/चिकित्सा इकाईयों पर अपनी निर्धारित ड्रेस में रहने का सुझाव दिया गया।	
		• आशा के पास आशा डायरी और आशा बैग उपलब्ध नहीं था। • ए0एन0एम0 के रिकार्ड के अनुसार ग्राम की एक बच्ची कुपोषित पाई गई थी, किन्तु उसके माता पिता की असहमति की वजह से उसको एन0आर0सी0 रिफर नही किया गया।	• आशाओं को सत्र स्थल पर आशा डायरी एवं आशा बैग के साथ रहने हेतु सुझाव दिया गया। • उपस्थित बी0सी0पी0एम0 को भी बुधवार एवं शनिवार को आयोजित किए जाने वाले वी0एच0एन0डी0 सत्रों का नियमित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करते हुए अभिमुखीकृत करने का सुझाव दिया।	

	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक कॉट	दल द्वारा भ्रमण के दौरान अवलोकित किए गए बिन्दु इस प्रकार से रहे – • राज्य स्तरीय दल द्वारा चिकित्सालय में उपस्थिति पंजिका मांगी गई, जो कि नहीं दिखाई गई। • केन्द्र के परिसर मे काफी जगह थी, किन्तु उसके सापेक्ष जगह का समुचित उपयोग नहीं किया गया था। हांलाकि काफी गार्डेनिंग का कार्य किया गया था। • परिसर की दीवारो पर लेखन बहुत पहले किया गया था। जो कि अब स्पष्ट नही दिख रहा था। स्वास्थ्य कार्यक्रम से सम्बन्धित संदेश/सूचनाओं की वाल राईटिंग कम की गयी थी।	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को परिसर का समुचित उपयोग करते हुए अधिक से अधिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बंन्धित सूचनाओं/संदेशों का दीवार लेखन के द्वारा जनमानस के मध्य प्रचलित करने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी /बी0सी0पी0एम0/ स्टाफ नर्स
		• परिसर में लगा कण्डोम बाक्स खाली था।	• दल द्वारा कई बार कहने के पश्चात भी कण्डोम बाक्स में कण्डोम नहीं भरे गये।	
		• पूरे चिकित्सालय मे कार्यरत समस्त स्टाफ/चिकित्सक अपने ड्रेस कोड में नही मिले और न ही उसका पालन करना उनको जरूरी प्रतीत हो रहा था।	• स्टाफ/चिकित्सकों को एप्रेन/ड्रेस कोड में रहने का सुझाव दिया गया।	
		• ओ0पी0डी0 कक्ष व चिकित्सालय के ऊपरी तल में स्थापित वार्ड के गलियारे में चिकित्सालय में कार्यरत ए0बी0डी0 वर्कर व उसका साथी मोटर साईकिल से घूम रहे थे तथा बार बार कहने के बावजूद मोटर साईकिल घूमाते रहे।	• राज्य स्तरीय दल द्वारा प्रभारी चिकित्साधिकारी को कार्यरत ए0बी0डी0 वर्कर से स्पष्टिकरण प्राप्त करते हुए यथा संभव आवश्यक कार्यवाही हेतु सुझाव दिया। इस बारे में मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत करा दिया गया है।	
		अर्श काउंसलर कक्ष • कक्ष में अर्श काउंसलर उपस्थित नही था। सूचना भेजने के उपरांत भी वह नही आया जिसके कारण उनकी कार्यप्रणाली एवं दस्तावेजों का अवलोकन नही किया जा सका। • कक्ष में अर्श काउंसलर के साथ लैप्रोसी काउंसलर भी बैठ रहा है।	• दल द्वारा इस पर आपत्ति जताते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारी से अर्श काउंसलर के अपने कक्ष में निर्धारित समयानुसार बैठने हेतु नोटिस देने का सुझाव दिया तथा अर्श एवं लैप्रोसी अलग गतिविधियां होने के कारण उनके लिए अलग से बैठने हेतु कक्ष का प्रबन्ध करने का सुझाव दिया।	
		प्रसव रिकार्ड कक्ष – • रिकार्ड कक्ष की स्थिति दयनीय पाई गई। • प्रसव रजिस्टर पर सूचनाए विधिवत अंकित नहीं थी।	• उपस्थित स्टाफ नर्स को प्रसव रजिस्टर में वाछित समस्त सुचनाओं को विधिवत् एवं समय से भरने हेतु सुझाव	

		• एम0सी0टी0एस. संख्या दर्ज नही थी, जबकि भुगतान किया जा रहा था। रजिस्टर के अंत में दी गई मासिक सारांश प्रपत्र को प्रतिमाह अद्युनांत नहीं किया जा रहा है। उपस्थित स्टाफ नर्स को अपने कार्य के प्रति स्पष्ट जानकारी नही बल्कि कार्य के प्रति लापरवाही दिखी।	दिया गया। • दल द्वारा प्रीारी चिकित्साधिकारी महोदय को कार्यरत समस्त स्टाफ नर्सो से स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुए समस्त रिकार्ड यथाशीघ्र सही कराने का सुझाव दिया गया।	
		• पार्टोग्राफ नहीं भरा जा रहा है। केस शीट में Consent form पर बिना कुछ लिखे, तीमारदारों/लाभार्थियो के हस्ताक्षर कराये गये।	• स्टाफ नर्स को पार्टोग्राफ भरने एवं Consent form पर कुछ लिखे बिना तीमारदारों/लाभार्थियो के हस्ताक्षर नहीं कराने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• रेफरल सिस्टम व्यवस्थित रूप से नहीं पाया गया।	• रेफरल सिस्टम के अन्तर्गत सूचनायें विधिवत रजिस्टर पर अंकित करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• अन्तरा गर्भ निरोधक, आई0यू0सी0डी, रजिस्टर रिकार्ड व्यवस्थित रूप से नहीं भरा गया था। बल्कि रिकार्ड आधे अधूरे पाए गए। फालोअप रिकार्ड पर सम्बन्धित व्यक्ति एवं आशा के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए । • प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना रजिस्टर मांगने पर भी स्टाफ नर्स नहीं दिखा पाई बल्कि टाल मटोल करती रही। समस्त स्टाफ नर्सों में आपसी तालमेल का अभाव दिखा।		
		प्रसव कक्ष दल द्वारा कक्ष का अवलोकन किया गया– • कैलिस पैड पिचके हुए दिखे।	• कैलिस पैड की उपयोगिता के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को बताया गया। स्टाफ नर्स द्वारा आश्वासन दिया गया कि वह भविष्य में कैलिस पैड को फुलाकर रखेगी।	
		• कमरे में दो बेड के मध्य पर्दे/पार्टीशन नही था, जिसका कोई स्पष्ट उत्तर प्राप्त नही हुआ। • कक्ष में साधारण घड़ी लगी थी जो कि ठीक प्रकार से नही चल रही थी। • कक्ष की हालत देखते हुए लग रहा था कि प्रसव की कोई तैयारी नही की गई है। • उपयोगित किए गए ग्लब्स एवं इंजेक्शन आदि कक्ष मे खुले में पड़ थे। • कक्ष में रखी 7 ट्रे सिस्टम नहीं था। बार बार पूछने पर भी	• प्रभारी चिकित्साधिकारी को उक्त के सम्बन्ध में अवगत करा दिया गया है। उनको सुझाव दिया गया कि वह समस्त स्टाफ नर्सों का अभिमुखीकरण करायें।	

		उपस्थित स्टाफ नर्स इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नही दे पाई। • प्रसव कक्ष के पास बने शौचालय में साफ सफाई भी नहीं पाई गई। • कक्ष मे बने **के0एम0सी0** कक्ष की स्थिति संतोषजनक नही थी, हांलाकि कक्ष में लगा रेडियन्ट वार्मर कार्य कर रही थी। **जे0एस0वाई वार्ड** • जे0एस0वाई वार्ड में कुछ महिलाएं भर्ती थी उनमें एक सुबह ही प्रसव हेतु आई थी। • वार्ड में न कोई आई0ई0सी मिली और न ही टी0वी0 पर मातृत्व स्वास्थ्य से सम्बधित संदेश प्रदर्शन हेतु कोई व्यवस्था थी। पूछने पर उचित उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। • कक्ष में साफ सफाई, बेड शीट उचित नहीं पाई गई। बेड शीट गन्दी व उन पर दाग धब्बे लगे मिले। • महिलाओं से बात करने पर ज्ञात हुआ कि उनको जे0एस0एस0के0 डाईट के अन्तर्गत नाश्ता एवं भोजन दिया जा रहा है। • प्रसव कक्ष में प्रोटोकॉल पोस्टर नहीं लगाये गये थे।	• दल द्वारा शौचालय एवं प्रसव कक्ष में कम से कम 03 बार एवं वार्डो तथा लाबी की दो बार साफ सफाई हेतु सुझाव दिया गया। • चादर का प्रबन्ध न हो पाने के कारण नियमित रूप से साफ बेड शीट बिछाने का सुझाव दिया गया जिससे साफ सफाई बनी रहे। • प्रभारी चिकित्साधिकारी महोदय को प्रोटोकाल पोस्टर लगाने हेतु सुझाव दिया गया।	
		मेडिसिन स्टाक • फार्मासिस्ट की उपस्थिति में उपलब्ध दवाईयों का स्टाक का अवलोकन किया गया, जो कि रिकार्ड के हिसाब से सही पाया गया। • एक्सपायरी रजिस्टर उपलब्ध नहीं था। • दवा वितरण कक्ष में दवाईया अव्यवस्थित रूप से पडी हुई पाई गई। • कक्ष में पर्याप्त साफ सफाई भी नहीं मिली।	• फार्मासिस्ट को मेडिसिन स्टाक बोर्ड पर प्रतिदिन औषधियों की उपलब्धता अद्युनांत करने का सुझाव दिया गया। • फार्मासिस्ट को औषधियों को व्यवस्थित तरीके से रखने हेतु सुझाव दिया गया। • कक्ष में पर्याप्त साफ–सफाई कराने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / फार्मासिस्ट / बी0सी0पी0एम0
		प्रयोगशाला • प्रयोगशाला में साफ सफाई थी। लैब टेक्नीशियन द्वारा पी0पी0ई0 का यथोचित प्रयोग नहीं किया जा रहा था। • कक्ष अस्त व्यस्त हालत में मिला। • कक्ष में बने अलमारियों में झाडू व टेस्ट किट दवाईयां आदि एक साथ रखी मिली। • चिकित्सालय में सेमी आटो	लैब टेक्नीशियन को साफ–सफाई का महत्व बताया गया। उक्त के साथ ही पी0पी0ई0 के प्रयोग करने के लाभ एवं न प्रयोग करने से होने वाली स्वास्थ्य हानियों के विषय में बताया गया। प्रभारी चिकित्साधिकारी को	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0 / लैब टेक्नीशियन

		एनालाइजर एवं सी0टी0बी0टी0 की मशीन थी पर इन्वर्टर एवं रीजेण्ट न होने के कारण उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है।	इन्वर्टर एवं रीजेण्ट की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सुझाव दिया गया।	
	प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र हाटीपुर कुरिया शाह, कॉट	दल द्वारा स्वास्थ्य केन्द्र के भ्रमण में निम्न बिन्दु अवलोकित किये गये– • ओ0पी0डी0 कक्ष स्टाफ का पार्किंग स्थल बना हुआ पाया गया। समस्त स्टाफ की बाईक खड़ी पाई गई • बिजली मीटर के तार खुले हुए पड़े थे तथा उससे किसी को भी करंट लगने का भय था। • परिसर में धूल गंदगी दिखी। • प्रयोगशाला कक्ष में व्यापक गंदगी व अव्यवस्था दिखी। • उपयोगित सीरिजं आदि खुले में पड़े थे। • अलमारियों पर धूल जमा थी। • लैब टेक्नीशियन द्वारा पी0पी0ई0 का यथोचित प्रयोग नहीं किया जा रहा था। • कक्ष अस्त व्यस्त हालत में मिला। • कक्ष में बनी चबूतरे पर झाड़ू व टेस्ट किट एवं दवाईयां आदि एक साथ रखी मिली। • केन्द्र में चिकित्साधिकारी की नियुक्ति की गई है, किन्तु वह केन्द्र पर न बैठकर अन्य स्थान पर बैठ रहे है तथा केन्द्र से सम्बन्धित समस्त कार्य फार्मासिस्ट द्वारा देखा जा रहा हैं	• दल द्वारा स्टाफ की गाड़िया बाहर करवाई गई तथा ओ0पी0डी0 कक्ष का महत्व बताते हुए दुबारा ऐसा न काने का सुझाव दिया गया। • खुले तार व मीटर को यथाशीघ्र ठीक कराने का सुझाव दिया। • लैब में उपस्थित टेक्नीशियन को साफ–सफाई का महत्व बताया गया एवं पी0पी0ई0 के प्रयोग करने के लाभ एवं न प्रयोग करने से होने वाली स्वास्थ्य हानियों के विषय में बताया गया। • दल द्वारा प्रति दिन नियमित साफ सफाई कराने का सुझाव दिया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / बी0सी0पी0एम0
	प्रा0 स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर कुरिया कला	• केन्द्र के भ्रमण के दौरान निम्न बिन्दु अवलोकित हुए – • ओ0पी0डी0 परिसर में बिजली का मीटर व तार खुल पड़े थे। • परिसर में व्यापक साफ सफाई नहीं थी। • सेन्टर में लैब असिस्टेंट की नियुक्ति की गई थी किन्तु वह अल्लागंज में कार्य कर रहा था। जिसके कारण हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर के अन्तर्गत की जाने वाली जाँचे नहीं हो रही थी। • सेन्टर मे मात्र दो स्टाफ फार्मासिस्ट एवं सफाई कर्मचारी ही कार्यरत थे। • केन्द्र में आने वाले मरीजों को फार्मासिस्ट देख रहा था तथा सफाई कर्मचारी द्वारा मरीजों को दवा वितरित की जा रही थी।	• खुले तार व मीटर को यथाशीघ्र ठीक कराने का सुझाव दिया। • दल द्वारा नियमित साफ सफाई कराने का सुझाव दिया गया। • इस बारे मे मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत करा दिया गया है। • दल द्वारा फार्मासिस्ट को ही दवा वितरित करने का सुझाव दिया गया तथा मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय को अवगत करा दिया गया है। • फार्मासिस्ट को पी0पी0ई का महत्व बताते हुए इसका प्रयोग	प्रभारी चिकित्साधिकारी

		• फार्मासिस्ट द्वारा पी0पी0ई मानक का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। • सेन्टर में बिजली और पानी की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। • मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवायें नहीं दी जा रही है।	करने का सुझाव दिया।	
	आर0बी0एस0के0 टीम पर्यवेक्षण, स्थान– प्राथमिक विद्यालय इमलिया, कॉट	• टीम द्वारा ग्राम इमलिया में मौजुद आर0बी0एस0के0 टीम का भ्रमण किया गया। • स्थल पर टीम –ए, डा0 राजेश कुमार, डा0 शिखर नेत्र विशेषज्ञ नितिन सिंह उपस्थित थे। • विद्यालय भ्रमण के दौरान, पाया गया कि, टीम द्वारा उपस्थित बच्चों का सही प्रकार से परीक्षण नहीं किया जा रहा हैं • जांच सम्बन्धी उपकरणों को गाड़ी में रखा गया था। केवल वजन मशीन का उपयोग ही किया जा रहा था। • दवाईयां इत्यादि गाड़ी में एक बैग में ही रखी हुई थी तथा अव्यवस्थित थी। • टीम के सदस्यों द्वारा ड्रेस कोड एप्रेन आदि का प्रयोग नही किया जा रहा था। • बच्चों को साफ सफाई के बारे मे कुछ भी बताया नहीं गया था।	• आर0बी0एस0के0 दल को सुझाव दिया गया कि जो भी जांच उपकरण एवं दवाईयाँ है, उनको स्थल पर ही रखा जाये, जिससे उनका उपयोग किया जा सके। • टीम के सदस्यों को एप्रेन आदि प्रयोग करने का सुझाव दिया गया जिससे आर0बी0एस0के0 टीम की एक पहचान बन सके। • आर0बी0एस0के0 टीम को बच्चों को हैण्ड वॉश के सम्बन्ध में प्रत्येक भ्रमण में प्रशिक्षण देने हेतु सुझाव किया गया, जिससे वह हेल्थ और हाइजिन के महत्व को समझें और स्वास्थ्य रहें।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / आर0बी0एस0के0 टीम
	जिला महिला चिकित्सालय, शाहजहाँपुर	**एस0एन0सी0यू0** • एस0एन0सी0यू0 में रेडियन्ट वार्मर, न्यू नेटल मॉनीटर, बेड हेड पैनल आदि काम कर रहे हैं। • डा0 के0के0 वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि वार्ड में नियोनेट वेन्टिलेटर एवं केन्द्रीयकृत ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम की आवश्यकता है। उक्त के सम्बन्ध में कई बार उच्चाधिकारियो को अवगत कराया जा सकता है। • ए0एम0सी0 एजेन्सी सायरिक्स द्वारा अप्रशिक्षित स्टाफ को चिकित्सालय में भेजा जाता है जिससे असुविधा होती है। **प्रसव कक्ष** • प्रसव कक्ष में प्रसव की प्रक्रिया होने के कारण प्रसव कक्ष का विधिवत् अवलोकन नहीं किया जा	• चिकित्साधीक्षिका महोदया को मुख्य चिकित्साधिकारी के माध्यम से उक्त के सम्बन्ध में पत्र प्रेषित करने हेतु सुझाव दिया गया।	राज्य स्तरीय उच्चाधिकारी / मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका / मुख्य चिकित्साधिकारी / डी0पी0एम0

		सका। • दरवाजे से देखने पर ज्ञात हुआ कि– • प्रसव कक्ष में मैकेन्टा शीट एवं कैलिस पैड की स्थिति ठीक थी। • डिजिटल घड़ी लगी हुई थी। • प्रोटोकाल पोस्टर नहीं लगे थे।	• प्रोटोकाल पोस्टर न लगे होने के सम्बन्ध में उपस्थित महिला चिकित्सक द्वारा अवगत कराया गया कि जिला महिला चिकित्सालय मेडिकल कालेज में परिर्वतित किया जा चुका हैं। प्रसव कक्ष चिकित्सालय में ही अन्यत्र कक्ष में स्थानान्तरित किया जाना है। इसलिए प्रोटोकाल पोस्टर हटा दिये गये हैं।	
		• प्रसव कक्ष रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 संख्या का अंकन नहीं किया जा रहा था। • अधिक वजन के बच्चों प्रबन्धन के सम्बन्ध में स्टाफ नर्स को स्पष्ट जानकारी नहीं थी।	• प्रसव कक्ष में उपस्थित स्टाफ नर्स को सुझाव दिया गया कि वह रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0 संख्या दर्ज करे। उक्त के साथ ही स्टाफ नर्स को अधिक वजन के नवजात बच्चों के सम्बन्ध में अभिमुखीकृत किया गया।	
		• पार्टोग्राफ भरा जा रहा था। परन्तु Consent form पर बिना कुछ लिखे तीमारदारों/लाभार्थियों से हस्ताक्षर कराये जा रहे थे। • अन्तरा रजिस्टर, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना आदि के रजिस्टर उपलब्ध नहीं थे।	• उक्त के सम्बन्ध में डी0पी0एम0 को अवगत करा दिया गया कि चिकित्सालय में समन्वय स्थापित कर रजिस्टर उपलब्ध कराने में सहयोग करे।	
		• पी0पी0आयू0सी0डी0 रजिस्टर में सूचनायें निर्देशानुसार अंकित नहीं की जा रही थी।	सम्बन्धित को समस्त सूचनायें निर्देशानुसार अद्युनात करने हेतु सुझाव दिया गया।	
		• चिकित्सालय में संचालित ए0आर0सी0 में बिमार बच्चे भर्ती थे। • बच्चों एवं उनके तीमारदारों/अभिभावकों को समय से खाना–पानी उपलब्ध कराया जा रहा था। • ए0आर0सी0 के रसोई घर में स्वच्छता से खाना बनाया जा रहा था।		
		• एन0आर0सी0 के पास शौचालय साफ था परन्तु सीलन के कारण छत से पानी टपक रहा था। **जे0एस0वाई0 वार्ड** • वार्ड में भर्ती महिलाओं को खाना दिया जा रहा था।	आर0के0एस0 फण्ड से मरम्मत कराने का सुझाव दिया गया।	

		• वार्ड में लाभार्थियों को दिये जाने वाले आहार की सूचना कहीं भी अंकित नहीं करायी गयी थी।	सम्बन्धित को सुझाव दिया गया कि वह वार्ड में जे0एस0एस0के0 डाईट चार्ट अवश्य लगवा दें। जिससे लाभार्थियो को पता रहें कि उन्हें खाने में क्या मिलता है।	
		• वार्ड में साफ–सफाई थी। • वार्ड का शौचालय गंदा था।	सम्बन्धित को सुझाव दिया गया कि शौचालय की सुफाई दिन में तीन बार अवश्य करायें।	
		ओ0पी0डी0 • शिकायत पेटिका लगी हुई है। • कण्डोम बाक्स लगा है परन्तु कण्डोम नहीं थे।	उक्त के सम्बन्ध में फैमिली प्लानिंग काउन्सलर को कण्डोम बाक्स को नियमित भरने हेतु निर्देशित किया गया।	
		• हेल्प डेस्क चिकित्सालय के काफी अन्दर बनी है। • ओ0पी0डी0 एवं वार्ड में कर्मचारी मोटर साईकिल से घूम रहे थे।	डी0पी0एम0 को सुझाव दिया गया कि वह चिकित्सालय प्रबन्धन से समन्वय स्थापित कर हेल्प डेस्क को चिकित्सालय में ऐसी जगह स्थापित करे जहाँ से लोगों को सेवायें आसानी से उपलब्ध करायी जा सके।	

जनपद शाहजहॉपुर सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण झलक (26–28 फरवरी 2020)

वी0एच0एन0डी0 सत्र, ग्राम नौशारा

प्रसव कक्ष, सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, कॉट–1

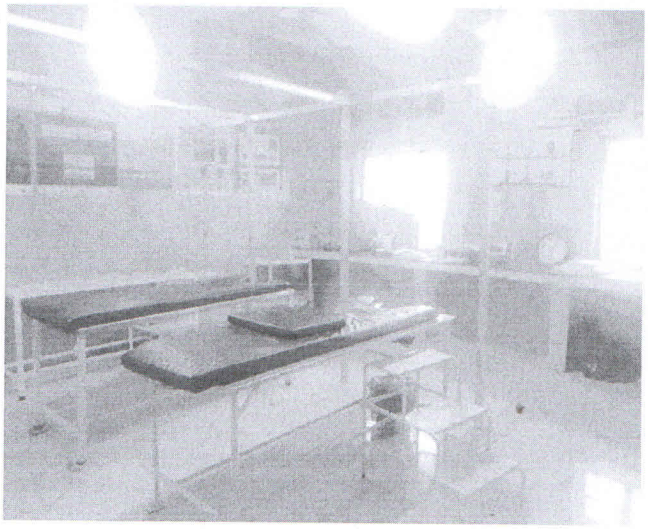

प्रसव कक्ष, सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, कॉट–2

प्रयोगशाला कक्ष, सामुदायिक स्वा0 केन्द्र, कॉट–3

ओ0पी0डी0 परिसर/पार्किंग स्थल, हाटिपुर कुरिया शाह,प्रा0स्वा0केन्द्र

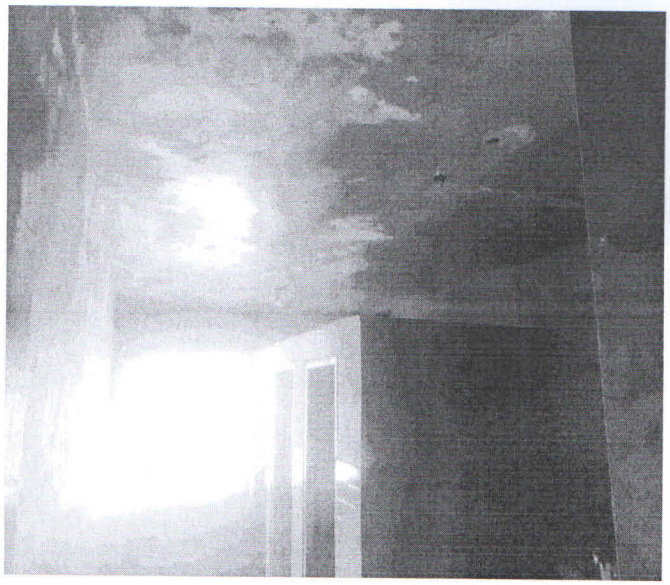

शौचालय की छत, जिला महिला चिकित्सालय,शाहजहॉपुर

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश।

सेवा में,

1. **जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति,**
   जनपद शाहजहॉपुर।

2. **मुख्य चिकित्साधिकारी,**
   जनपद शाहजहॉपुर ।

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2019–20 / दिनांक 17.03.2020

विषयः– राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 26–28 फरवरी 2020 के मध्य किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या पर कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया एस0पी0एम0यू0 कार्यालय पत्र सं0 SPMU/NHM/M&E/2019-20/18/7999-2, दिनांक 20.12.2019 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके क्रम में, राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक **26–28 फरवरी 2020** तक जनपद **शाहजहॉपुर** की जनपद व ब्लाक स्तरीय चिकित्सा इकाईयों, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस सत्रों व हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टर का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया।

राज्य स्तरीय दल द्वारा जनपद एवं ब्लाक की चिकित्सा इकाईयों के स्थलीय पर्यवक्षण के दौरान प्रकाश में आये बिन्दुओं के आधार पर भ्रमण आख्या प्रस्तुत की गयी है जो कि पत्र के साथ संलग्न कर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नकः पर्यवेक्षण आख्या।

भवदीय

(विजय विश्वास पन्त)
मिशन निदेशक

पत्रांकः–एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 2019–20 / 10356-2 (5) तद्दिनांक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक काय्रवाही हेतु प्रेषित–

1. मण्डलायुक्त, बरेली मण्डल, उ0प्र0।
2. मण्डलीय अपर निदेशक, चि0स्वा0 एवं प0क0, बरेली मण्डल को इस आशय के साथ प्रेषित कि भ्रमण रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाही करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करने का कष्ट करें।
3. अधिशासी अभियन्ता, समस्त महाप्रबन्धक / अनुभागाध्यक्ष, एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उ0प्र0।
4. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0 / रीजनल मैनेजर (कम्यू0प्रो0), बरेली मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, शाहजहॉपुर को पर्यवेक्षण आख्या के सापेक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(विवेक दिवेद्वी)
महाप्रबन्धक प्रोक्योरमेंट /
मण्डलीय नोडल अधिकारी